ये अव्यक्त इशारे

# जमा का खाता बढ़ाओ, बचत की स्कीम बनाओ

## *27-03-2023*

सदा चेक करो कि आज के दिन मन्सा द्वारा या कोई भी सेवा द्वारा कितने पुण्य जमा किये? और पुण्य के आधार से छोटी-छोटी बातें कितनी समाप्त हो गई? खर्च कितना हुआ और बचत कितनी हुई? अगर बार-बार विघ्न आते हैं और उसको मिटाने के लिए गुण और शक्तियों को खर्च करते हैं तो वह कितना हुआ? और योगयुक्त अवस्था से बाप को साथी बनाकर सेवा करने में पुण्य का खाता कितना जमा हुआ? ऐसी चेकिंग की मशीनरी दिल के आफिस में सेट कर चेक करते रहो तो चेंज हो जायेंगे।

# Increase the account of accumulation
# Make a savings scheme

Always check: How much charity did I accumulate today with my mind or with any service? And on the basis of charity, how many trivial things were finished? How much did I spend and how much did I save? If obstacles come again and again and I use my virtues and powers to finish them, then how much did I use? By being yogyukt and doing service by making the Father my Companion, how much charity did I accumulate? Set such a machinery of checking in the office of your heart and continue to check, and then change will take place.